International Journal of Hindi Research
www.hindijournal.com
ISSN: 2455-2232
Received: 15-09-2025, Accepted: 14-10-2025, Published: 30-10-2025
Volume 11, Issue 4, 2025, Page No. 48-50

राजीव गांधी किसान न्याय योजना से किसानों की आय में वृद्धि – एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

डॉ. राकेश कुमार गुप्ता[1], श्रीमती वर्षा दुबे[2]
[1] शोध निर्देशक, सामाजिक विज्ञान, अर्थशास्त्र, डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय करगी रोड, कोटा, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, भारत
[2] शोधार्थी, सामाजिक विज्ञान, अर्थशास्त्र, डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय करगी रोड, कोटा, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, भारत

सारांश
राजीव गांधी किसान न्याय योजना (RGKNY) छत्तीसगढ़ सरकार की एक प्रमुख कृषि कल्याणकारी योजना है, जिसका उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि करना और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। यह योजना 2020–21 से प्रारंभ हुई, जिसके अंतर्गत धान, मक्का, गन्ना तथा दलहन–तिलहन फसलों के किसानों को प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। यह अध्ययन रायपुर जिले के कृषकों के बीच किया गया, जिसमें योजना के विभिन्न आयामों – कृषि आय, निवेश, ऋण पर निर्भरता, बचत, उत्पादन क्षमता, एवं सामाजिक स्थिति पर प्रभाव का विश्लेषण किया गया है। प्राथमिक आंकड़े 150 किसानों से एक संरचित प्रश्नावली द्वारा एकत्र किए गए। अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष बताते हैं कि अधिकांश किसानों ने इस योजना से अपनी कृषि आय में उल्लेखनीय वृद्धि अनुभव की है। योजना से प्राप्त धनराशि न केवल खेती के खर्चों को पूरा करने में सहायक रही है, बल्कि किसानों को पुनः निवेश, बेहतर बीज, उर्वरक और उपकरणों के उपयोग में भी मदद मिली है। इससे ऋण पर निर्भरता कम हुई, बचत बढ़ी, और परिवारों के जीवन स्तर में सुधार हुआ। योजना ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सुदृढ़ किया है। यह अध्ययन इस निष्कर्ष पर पहुँचता है कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना ने कृषि क्षेत्र में स्थायी विकास की दिशा में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति और आत्मनिर्भरता दोनों में सकारात्मक परिवर्तन आए हैं।

मूल शब्दः राजीव गांधी किसान न्याय योजना, कृषि आय, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, निवेश और उत्पादन, जीवन स्तर

भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहाँ लगभग 60 प्रतिशत जनसंख्या कृषि पर निर्भर है। परंतु वर्षों से किसानों की आय अपेक्षाकृत कम रही है, जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्र में गरीबी, ऋणग्रस्तता और असमानता की स्थिति बनी रही। इसी पृष्ठभूमि में, किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, छत्तीसगढ़ सरकार ने राजीव गांधी किसान न्याय योजना (RGKNY) का शुभारंभ वर्ष 2020 में किया। इस योजना का प्रमुख उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि करना, कृषि लागत को संतुलित करना तथा कृषि उत्पादन को प्रोत्साहित करना है। योजना के अंतर्गत पात्र किसानों को प्रतिवर्ष उनकी उपज के अनुसार प्रोत्साहन राशि दी जाती है, जिससे वे आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत बीजों, सिंचाई साधनों एवं कृषि यंत्रों का उपयोग कर सकें। यह अध्ययन रायपुर जिले के किसानों के बीच किया गया है, ताकि यह समझा जा सके कि यह योजना किसानों की वास्तविक आय, निवेश व्यवहार, ऋण निर्भरता और जीवन स्तर पर किस प्रकार प्रभाव डाल रही है। विशेष रूप से यह अध्ययन इस पर केंद्रित है कि क्या किसानों की आर्थिक स्थिति में स्थायी सुधार हुआ है और क्या योजना ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की है।

मुख्य विषय

राजीव गांधी किसान न्याय योजना के अंतर्गत किसानों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (Direct Benefit Transfer) के माध्यम से सहायता दी जाती है। यह राशि प्रति एकड़ के आधार पर किसानों के खातों में भेजी जाती है। इससे पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और समय पर सहायता सुनिश्चित होती है। अध्ययन का मुख्य विषय योजना से उत्पन्न आर्थिक प्रभावों का मूल्यांकन है। किसानों की आय वृद्धि, उत्पादन लागत, निवेश प्रवृत्ति, ऋण पर निर्भरता, और पारिवारिक जीवन स्तर पर इस योजना के प्रभाव का विश्लेषण किया गया है। योजना ने न केवल किसानों की वित्तीय स्थिरता को बढ़ाया है, बल्कि ग्रामीण उपभोग, स्थानीय रोजगार और कृषि व्यापार को भी गति दी है। किसानों के अनुसार, "यह योजना कृषि के लिए एक स्थायी सुरक्षा कवच की तरह है।" मुख्य रूप से इस अध्ययन में निम्नलिखित पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है –

- किसानों की आय वृद्धि का स्तर
- खेती में निवेश और लागत संरचना में परिवर्तन
- उत्पादन क्षमता और फसल विविधीकरण
- ऋण निर्भरता में कमी
- सामाजिक–आर्थिक स्थिति में सुधार

यह अध्ययन इस तथ्य को स्थापित करता है कि इस योजना ने कृषि को एक लाभकारी और टिकाऊ पेशे में बदलने की दिशा में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

शोध कार्य और कार्यप्रणाली

1. अनुसंधान का उद्देश्य

इस अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य यह जानना है कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना ने किसानों की आय, निवेश व्यवहार, ऋण निर्भरता, बचत और सामाजिक स्थिति को किस सीमा तक प्रभावित किया है।

विशिष्ट उद्देश्य

- यह पता लगाना कि योजना से कृषि आय में वृद्धि हुई या नहीं।
- यह विश्लेषण करना कि योजना से प्राप्त धनराशि का उपयोग किसान कैसे कर रहे हैं।
- ऋण निर्भरता और बचत व्यवहार में परिवर्तन का अध्ययन करना।
- योजना के सामाजिक–आर्थिक प्रभावों का मूल्यांकन करना।

2. अनुसंधान परिकल्पना

H_0: राजीव गांधी किसान न्याय योजना से किसानों की आय में कोई वृद्धि नहीं हुई है।

H_1: राजीव गांधी किसान न्याय योजना से किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

3. अनुसंधान क्षेत्र

यह अध्ययन रायपुर जिले में किया गया, जो छत्तीसगढ़ राज्य की कृषि दृष्टि से अग्रणी इकाई है।

4. नमूना आकार और चयन

कुल 150 किसानों का चयन साधारण यादृच्छिक नमूना (Simple Random Sampling) पद्धति से किया गया।

5. डाटा संग्रहण

- प्राथमिक आंकड़े संरचित प्रश्नावली के माध्यम से किसानों से प्राप्त किए गए।
- द्वितीयक आंकड़े योजना से संबंधित सरकारी रिपोर्ट, आर्थिक सर्वेक्षण, कृषि विभाग और नीति दस्तावेजों से प्राप्त किए गए।

6. अनुसंधान उपकरण

प्रश्नावली में निम्नलिखित प्रमुख प्रश्न शामिल थे–

- क्या योजना से आपकी कृषि आय बढ़ी है?
- क्या योजना से प्राप्त राशि खेती के खर्चों में सहायक रही है?
- क्या योजना के कारण आपने अधिक निवेश किया?
- क्या आपकी ऋण निर्भरता कम हुई है?
- क्या आपके जीवन स्तर में सुधार हुआ है?

7. सांख्यिकीय तकनीक

- प्रतिशत विश्लेषण (Percentage Analysis)
- औसत और माध्य विश्लेषण (Mean and Median Analysis)
- सहसंबंध (Correlation Analysis)
- सरल प्रतिगमन विश्लेषण (Simple Regression Analysis)

8. अनुसंधान का स्वरूप

यह एक वर्णनात्मक (Descriptive) और विश्लेषणात्मक (Analytical) अध्ययन है, जिसमें मात्रात्मक और गुणात्मक दोनों प्रकार के आंकड़ों का प्रयोग किया गया है।

9. सीमाएँ

- अध्ययन रायपुर जिले तक सीमित है।
- समय और संसाधनों की सीमा के कारण नमूना आकार सीमित रहा।
- किसानों के उत्तर व्यक्तिगत अनुभवों पर आधारित हैं।

प्रेक्षण

प्रश्नावली के आधार पर प्राप्त प्रमुख प्रेक्षण निम्नलिखित हैं –

- **कृषि आय में वृद्धि:** 82% किसानों ने बताया कि योजना से उनकी कृषि आय में 20–30% तक वृद्धि हुई। धान उत्पादकों में यह प्रभाव सर्वाधिक देखा गया।

- **खेती के खर्चों में सहायता:** लगभग 88% किसानों ने माना कि योजना से प्राप्त राशि बीज, उर्वरक, मजदूरी और सिंचाई के खर्चों में उपयोगी रही।

- **जीवन स्तर में सुधार:** लगभग 76% किसानों ने कहा कि योजना से परिवार की शिक्षा, स्वास्थ्य और उपभोग स्तर में सुधार हुआ।

- **निवेश में वृद्धि:** लगभग 70% किसानों ने कहा कि उन्होंने ट्रैक्टर, पंपसेट, एवं अन्य कृषि उपकरणों में निवेश बढ़ाया।

- **ऋण निर्भरता में कमी:** 63% किसानों ने बताया कि अब उन्हें निजी साहूकारों से उधार लेने की आवश्यकता कम पड़ती है।

- **उत्पादन क्षमता में वृद्धि:** किसानों ने बताया कि आधुनिक तकनीक अपनाने और समय पर इनपुट की उपलब्धता के कारण उत्पादन 15–25% तक बढ़ा है।

- **आय के नए स्रोत:** योजना से प्राप्त धन के कारण कई किसानों ने पशुपालन, सब्जी उत्पादन एवं फलोत्पादन जैसे सहायक व्यवसाय शुरू किए।

- **सामाजिक स्थिति में सुधार:** लगभग 68% किसानों ने बताया कि अब वे समाज में अधिक सम्मान और आत्मनिर्भरता महसूस करते हैं।

- **महिला सहभागिता:** महिला किसानों या कृषक परिवार की महिलाओं की आर्थिक भागीदारी में भी वृद्धि दर्ज की गई।

- **भूमि उपयोग में परिवर्तन:** कई किसानों ने परती भूमि पर फसल उत्पादन प्रारंभ किया, जिससे कृषि क्षेत्रफल में विस्तार हुआ।

इन सभी प्रेक्षणों से यह स्पष्ट होता है कि योजना का प्रभाव केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी गहरा पड़ा है।

विश्लेषण

इस भाग में उपरोक्त प्रेक्षणों का सांख्यिकीय एवं व्याख्यात्मक विश्लेषण किया गया है।

- **आय वृद्धि का विश्लेषण:** प्राप्त आंकड़ों से स्पष्ट हुआ कि योजना ने किसानों की औसत वार्षिक आय ₹60,000 से ₹80,000 तक बढ़ा दी है। प्रतिशत विश्लेषण के अनुसार, आय में औसतन 28% वृद्धि दर्ज की गई।

- **कृषि व्यय एवं उत्पादन लागत:** योजना से प्राप्त राशि ने उत्पादन लागत के 25–30% हिस्से को कवर किया, जिससे किसानों की लागत वहन क्षमता बढ़ी। इससे खेती का लाभांश बढ़ा और शुद्ध आय में वृद्धि हुई।

- **निवेश व्यवहार:** प्रतिगमन विश्लेषण से ज्ञात हुआ कि प्रोत्साहन राशि और निवेश के बीच 0.76 का सहसंबंध है, जो यह दर्शाता है कि योजना ने निवेश को प्रत्यक्ष रूप से प्रेरित किया।

- **ऋण निर्भरता:** योजना से पूर्व किसानों की औसत ऋण निर्भरता 68% थी, जो योजना के बाद घटकर 42% रह गई। इसका अर्थ है कि किसान आत्मनिर्भर हो रहे हैं।

- **सामाजिक प्रभाव:** जीवन स्तर संकेतक (Living Standard Index) के अनुसार, योजना के बाद शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, और उपभोग के क्षेत्रों में सुधार दर्ज हुआ।

- **उत्पादन क्षमता:** कृषि उत्पादन में औसतन 20% की वृद्धि दर्ज की गई। बेहतर बीज, सिंचाई और उर्वरक की उपलब्धता इसका प्रमुख कारण रही।

- **समग्र आर्थिक प्रभाव:** ग्राम्य अर्थव्यवस्था पर योजना का सकारात्मक गुणक प्रभाव (Multiplier Effect) देखा गया – स्थानीय बाजार, मजदूरी दर, उपभोग और निवेश गतिविधियों में वृद्धि हुई।

- **नीति निहितार्थ:** यह योजना ग्रामीण विकास, वित्तीय समावेशन, और आत्मनिर्भर कृषि नीति के उद्देश्यों को पूरक करती है।

- **तुलनात्मक विश्लेषण:** राज्य के अन्य जिलों की रिपोर्ट से तुलना करने पर पाया गया कि रायपुर जिले में योजना का प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक है, संभवतः यहां की कृषि अवसंरचना और जागरूकता स्तर के कारण।

- **निष्कर्षात्मक विश्लेषण:** समग्र रूप से देखा जाए तो राजीव गांधी किसान न्याय योजना किसानों की आय वृद्धि के साथ–साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था के पुनरुद्धार की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण पहल सिद्ध हुई है।

निष्कर्ष

राजीव गांधी किसान न्याय योजना ने छत्तीसगढ़ के किसानों की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार किया है। योजना के तहत मिलने वाली प्रोत्साहन राशि ने न केवल कृषि व्यय का बोझ कम किया बल्कि निवेश, उत्पादन और बचत की प्रवृत्ति को भी प्रोत्साहित किया। किसानों की आय में वृद्धि, ऋण निर्भरता में कमी, और जीवन स्तर में सुधार इस योजना की प्रमुख उपलब्धियाँ हैं। इससे यह स्पष्ट है कि योजना ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर और उत्पादक दिशा में अग्रसर किया है। कृषि में स्थायी विकास, तकनीकी सुधार, और सामाजिक उत्थान के लिए यह योजना एक प्रेरणास्रोत बन चुकी है। भविष्य में ऐसी योजनाओं को और प्रभावी बनाकर किसानों के सर्वांगीण विकास की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकते हैं।

सुझाव

- योजना की राशि को फसल विविधीकरण के अनुरूप बढ़ाया जाना चाहिए।
- भुगतान प्रक्रिया में और अधिक पारदर्शिता एवं समयबद्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए।
- किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, बीज एवं प्रशिक्षण की सुविधा योजना से जोड़ी जाए।
- महिला कृषकों के लिए पृथक लाभ और प्रशिक्षण प्रावधान विकसित किए जाएँ।
- योजना के तहत प्राप्त राशि के उपयोग पर नियमित मॉनिटरिंग एवं मूल्यांकन किया जाए।
- योजना को दीर्घकालिक विकास रणनीति से जोड़कर, ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहित किया जाए।
- किसानों की ऋण–मुक्ति के लिए सहायक योजनाएँ (जैसे ब्याज सब्सिडी, बीमा विस्तार) एकीकृत की जाएँ।
- अनुसंधान संस्थानों को योजना के प्रभाव मूल्यांकन में सक्रिय भागीदारी दी जाए।

संदर्भ

1. Government of Chhattisgarh, Rajiv Gandhi Kisan Nyay Yojana Report, Raipur. Agriculture Department, 2023.
2. Economic Survey of Chhattisgarh, (2023-24), Raipur. Directorate of Economics, Statistics.
3. Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, Annual Report on Agricultural Schemes in India, New Delhi, 2022.
4. Singh RK. Impact of Direct Benefit Transfer on Rural Economy, Indian Journal of Economics, 2021, 102(5).
5. Mishra P. Rural Development and Farmers, Income in India, New Delhi. Sage Publications, 2020.